ग्रीनफील्ड इकोनॉमकि कॉरडिोर को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय सड़क और परविहन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश राज्य के गाज़ियिाबाद से कानपुर तक बनने वाले ग्रीनफील्ड इकोनॉमकि कॉरडिोर को मंज़ूरी दे दी है।

प्रमुख बदिु

- यह कॉरडिोर 380 कमिी. लंबा होगा और 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बनने के बाद गाज़ियिाबाद, हापुड़ और पश्चमिी उत्तर प्रदेश के बड़े हसि्से से जुड़े लोगों को यमुना एक्सप्रेसवे पर जाने की ज़रूरत नहीं होगी।
- यह कॉरडिोर लखनऊ से कानपुर के बीच बन रहे एक्सप्रेसवे को उन्नाव और कानपुर के बीच में कनेक्ट करेगा, जबकि गाजयिाबाद और हापुड़ में मौज़ूदा मेरठ एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करेगा।
- नेशनल हाइवे अथॉरटी ऑफ इंडयिा (एनएचएआई) ने वसि्तृत परयिोजना रपिोर्ट (डीपीआर) बनाने की दशिा में काम शुरू कर दयिा है। यह काम दसिंबर 2023 तक पूरा होगा और उसके बाद 24 महीने में प्रोजेक्ट बनकर तैयार हो जाएगा।
- इस प्रोजेक्ट को गाज़ियिाबाद/ हापुड़-कानपुर/ उन्नाव ग्रीनफील्ड इकोनॉमकि कॉरडिोर नाम दयिा गया है।
- एनएचएआई अधकिारयिों का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से गंगा एक्सप्रेसवे का नर्मािण भी शुरू होने जा रहा है, जो बीच में लखनऊ जाने वाले एक्सप्रेसवे को कनेक्ट करेगा, जसिसे काफी ट्रैफकि गंगा एक्सप्रेसवे पर जाएगा, इसलयि शुरुआत में गाज़ियिाबाद-कानपुर के बीच चार लेन का ही कॉरडिोर बनाया जा रहा है। बाद में ट्रैफकि बढ़ने पर इसे आठ लेन तक बढ़ाया जाएगा।
- गौरतलब है कि अंडरपास, फ्लाईओवर और सर्वसि रोड का नर्मािण छह लेन के ग्रीनफील्ड कॉरडिोर की तर्ज़ पर कयिा जाएगा।
- इस कॉरडिोर के बनने से गाज़ियिाबाद और नोएडा की सड़कों से वाहनों का दबाव कम होगा।
- उल्लेखनीय है कि हापुड़ से कानपुर तक नया इकोनॉमकि कॉरडिोर बनाने की घोषणा केंद्रीय मंत्री नतिनि गडकरी ने सतिंबर 2019 में की थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/greenfield-economic-corridor-approved